जीवन के विभिन्न दौर में यहोवा के नाम का आह्वान

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

परिचय: यहोवा के नाम का आह्वान क्यों महत्वपूर्ण है

यहोवा के नाम का आह्वान सिर्फ बोलना नहीं है—यह उपासना, भरोसा और विश्वास का एक तरीका है। शास्त्र में बार-बार कहा गया है कि परमेश्वर के नाम को पुकारने से उद्धार, सुरक्षा और शांति मिलती है।

रोमियों 10:12–13
“यहूदियों और यूनानियों में कोई भेद नहीं है; वही प्रभु
सबका प्रभु है और सबको आशीष देता है जो उसका नाम पुकारते
हैं; क्योंकि ‘प्रभु का नाम जो कोई पुकारेगा, वह उद्धार पाएगा।’”

यह वादा परमेश्वर की वाचा-भरी स्वभाव को दर्शाता है—वह पूरे दिल से उसके पास आने वालों का उत्तर देते हैं। लेकिन यह याद रखें, उनके नाम का आह्वान हमेशा सम्मान और भक्ति के साथ होना चाहिए।

निर्गमन 20:7
“तुम अपने परमेश्वर यहोवा के नाम का व्यर्थ प्रयोग न करना; क्योंकि जो कोई उसके नाम का व्यर्थ प्रयोग करेगा, वह दंडित

जीवन के विभिन्न दौर में यहोवा के नाम का आह्वान

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

होगा।”

1. आवश्यकता के समय – उसे यहोवा-जीरेह कहें

“प्रभु प्रदान करेगा” – उत्पत्ति 22:14

अब्राहम ने इस नाम का प्रयोग तब किया जब परमेश्वर ने उनके पुत्र इसहाक के स्थान पर मेमना प्रदान किया। यह नाम दिखाता है कि परमेश्वर वाचा के अनुसार हमारे प्रदाता हैं—और यह मसीह के अंतिम प्रदानगी का पूर्वाभास है।

उत्पत्ति 22:14
“अतः अब्राहम ने उस स्थान का नाम ‘यहोवा-जीरेह’ रखा। और आज तक
कहा जाता है, ‘प्रभु की पर्वत पर वह प्रदान किया जाएगा।’”

यह नाम परमेश्वर की दैवीय प्रदायगी को दर्शाता है—वह भविष्य में देख सकते हैं और हमारे लिए आवश्यक चीजें प्रदान करते हैं। फिलिपियों 4:19 में पॉल इसे दोहराते हैं:
“मेरा परमेश्वर अपनी महिमा के अनुसार, यीशु मसीह में तुम्हारे सभी आवश्यकताओं को पूरा करेगा।”

जीवन के विभिन्न दौर में यहोवा के नाम का आह्वान

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

2. रोग या बीमारी में – उसे यहोवा-रफा कहें

“प्रभु जो तुम्हें चंगा करता है” – निर्गमन 15:26

जब इस्राएल ने लाल सागर पार किया, तब परमेश्वर ने स्वयं को यहोवा-रफा कहा।

निर्गमन 15:26
“मैं यहोवा हूँ, जो तुम्हें चंगा करता हूँ।”

परमेश्वर का चंगा करने वाला स्वरूप उनके सुधारात्मक चरित्र को दर्शाता है। यीशु नए वाचा में हमारे महा चिकित्सक के रूप में यह कार्य जारी रखते हैं (लूका 4:18, यशायाह 53:5)। शारीरिक, मानसिक या आध्यात्मिक चंगा—सभी में वह हमारे जीवन की योजना के अनुरूप कार्य करते हैं।

3. आध्यात्मिक संघर्ष में – उसे यहोवा-निस्सी कहें

“प्रभु मेरा झंडा है” – निर्गमन 17:15

जीवन के विभिन्न दौर में यहोवा के नाम का आह्वान

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

जब इस्राएल ने अमालेकियों से युद्ध किया, विजय मोशे के हाथ उठाने पर मिली। इसके बाद उन्होंने वेदी का नाम यहोवा-निस्सी रखा।

निर्गमन 17:15
“मोशे ने एक वेदी बनाई और उसका नाम रखा: ‘प्रभु मेरा झंडा
है।’”

यहोवा-निस्सी के रूप में परमेश्वर हमारे योद्धा राजा हैं (निर्गमन 14:14)। जब हम अपनी शक्ति पर नहीं बल्कि उनकी शक्ति पर भरोसा करते हैं, तब ही हम विजय पाते हैं (2 इतिहास 20:15)।

4. संकट या अनिश्चितता में – उसे यहोवा-रोही कहें

“प्रभु मेरा चरवाहा है” – भजन संहिता 23:1

भजन 23:1
“प्रभु मेरा चरवाहा है, मुझे कुछ भी कमी नहीं।”

जीवन के विभिन्न दौर में यहोवा के नाम का आह्वान

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

यहोवा-रोही के रूप में, प्रभु हमारी देखभाल, मार्गदर्शन और सुरक्षा करते हैं। यीशु ने इसे दोहराया:

यूहन्ना 10:11
“मैं अच्छा चरवाहा हूँ। अच्छा चरवाहा अपनी भेड़ों के लिए
प्राण देता है।”

5. असंभव परिस्थिति में – उसे एल-शद्दाई कहें

“सर्वशक्तिमान परमेश्वर” – उत्पत्ति 17:1

जब अब्राहम को संतान पर संदेह हुआ, तब परमेश्वर ने स्वयं को एल-शद्दाई, सर्वशक्तिमान कहा।

उत्पत्ति 17:1
“मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर हूँ; मेरी दृष्टि में स्थिर
होकर पवित्र रहो।”

एल-शद्दाई परमेश्वर की सर्वशक्तिमत्ता को दर्शाता है। लूका

जीवन के विभिन्न दौर में यहोवा के नाम का आह्वान

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

1:37 में कहा गया है:
“क्योंकि परमेश्वर का कोई वचन विफल नहीं होगा।”

6. अकेलापन महसूस होने पर – उसे यहोवा-शम्मा कहें

“प्रभु वहाँ है” – येजेकियल 48:35

येजेकियल के विजन में पुनर्स्थापित यरूशलेम का शहर यहोवा- शम्मा कहा गया।

येजेकियल 48:35
“और उस समय से शहर का नाम यहोवा-शम्मा होगा।”

परमेश्वर की उपस्थिति उनके वाचा का हिस्सा है (मत्ती 28:20)। मसीह में हम कभी अकेले नहीं हैं; पवित्र आत्मा हमारे भीतर परमेश्वर की उपस्थिति है (यूहन्ना 14:16–17)।

7. शांति खो जाने पर – उसे यहोवा-शालोम कहें

“प्रभु शांति है” – न्यायियों 6:24

जीवन के विभिन्न दौर में यहोवा के नाम का आह्वान

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

गिदोन ने वेदी बनाई और उसे यहोवा-शालोम कहा।

न्यायियों 6:24
“इसलिए गिदोन ने वहाँ यहोवा के लिए वेदी बनाई और उसका नाम
रखा: ‘यहोवा शांति है।’”

परमेश्वर केवल शांति देने वाले नहीं, बल्कि शांति स्वयं हैं (यशायाह 9:6; यूहन्ना 14:27)। सच्ची शांति केवल संघर्ष की अनुपस्थिति नहीं है—यह जीवन में संपूर्णता, सामंजस्य और पुनर्स्थापना की उपस्थिति है।

8. परमेश्वर की महिमा पर विचार करते समय – उसे अदोनाई कहें

“सर्वशक्तिमान प्रभु” – भजन और भविष्यद्वक्ताओं में

अदोनाई परमेश्वर की प्रभुता और सृष्टि पर अधिकार को दर्शाता है।

भजन 8:1
“हे प्रभु, हमारे प्रभु (अदोनाई), तेरी महिमा पृथ्वी पर

जीवन के विभिन्न दौर में यहोवा के नाम का आह्वान

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

कितनी महान है!”

यह उपाधि परमेश्वर को स्वामी और राजा मानने की आवश्यकता को दिखाती है—पूरा समर्पण उपासना का उचित तरीका है (रोमियों 12:1)।

9. उद्धार के लिए – यीशु (येशुआ), यहोवा उद्धारकर्ता को पुकारें

“प्रभु उद्धार करता है” – प्रेरितों के काम 4:12

यीशु (येशुआ) का अर्थ है “प्रभु उद्धार है।” वह सभी परमेश्वर के नामों और गुणों का पूर्ण प्रकट रूप हैं।

प्रेरितों के काम 4:12
“क्योंकि किसी और में उद्धार नहीं; क्योंकि आकाश के नीचे मनुष्यों को दिया गया कोई और नाम नहीं है जिससे हमें उद्धार प्राप्त होना चाहिए।”

यीशु पुराने नियम के परमेश्वर के नामों का परिपूर्ण रूप हैं। वह प्रदाता (यूहन्ना 6:35), चंगा करने वाले (1 पतरस 2:24), चरवाहा

जीवन के विभिन्न दौर में यहोवा के नाम का आह्वान

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 9

(यूहन्ना 10:11) और शांति का राजकुमार (यशायाह 9:6) हैं।

उद्धार पाने के लिए, पश्चाताप करें, विश्वास करें और उनके नाम में बपतिस्मा लें:

मार्क 16:16
“जो विश्वास करेगा और बपतिस्मा लेगा, वह उद्धार पाएगा; पर जो विश्वास नहीं करेगा, वह निंदा का अधिकारी होगा।”

प्रेरितों के काम 2:38
“पश्चाताप करो और अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले।”

शुद्ध हृदय से नाम का आह्वान

परमेश्वर के नाम में शक्ति है, लेकिन इसे हमेशा पश्चाताप और आज्ञाकारिता के साथ करना चाहिए।

जीवन के विभिन्न दौर में यहोवा के नाम का आह्वान

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 10

2 तिमोथियुस 2:19
“प्रभु जानता है कि कौन उसके हैं, और, ‘जो कोई प्रभु के नाम को स्वीकार करता है, उसे बुराई से दूर हटना चाहिए।’”

परमेश्वर हमें अपने नामों के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से जानने का निमंत्रण देते हैं। प्रत्येक नाम उनके चरित्र और वाचा को दर्शाता है। जीवन के हर दौर में, जब हम सत्य और सच्चाई से उन्हें पुकारते हैं, वह हमारे पास होते हैं और उत्तर देने के लिए तैयार रहते हैं।

क्या आपने अपने उद्धार के लिए आज यीशु के नाम को पुकारा है? यदि नहीं, तो आज उद्धार का दिन है। प्रभु का नाम अभी भी एक मजबूत दुर्ग है—इसकी ओर भागो और तुम उद्धार पाओगे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp